चंडीग□ □ पंजाब पुलसि केपूर्व शीर्ष पुलसि अधकिरी ने राज्य सरकार पर सत्ताधारी अकाली दल और वपिक्षी कांग्रेस केकई वरषि्ठ नेताओं पर राज्य में मादकपदार्थ माफिया केसाथ कथति मलिीभगत केलि□ कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है□

पंजाब और हरयिाणा उच्च न्यायालय को लखि□ कपत्र में पूर्व पुलसि महानदिशक(कारागार) शशकिांत ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार ने शरिोमणि अकाली दल, भाजपा और कांग्रेस के10 नेताओं केखलिाफकोई कार्रवाई नहीं की जबकि उन्होंने उन राजनेताओं की सूची दी है जनिकेमादकपदार्थ माफिया केसाथ घनषि्ठ संबंध है□

पंजाब सरकार ने यद्यपि उनकेदावों को यह कहते हु□ खारजि कर दयिा कि पूर्व डीजीपी को तब कार्रवाई करनी चाहि□ थी जब वह पद पर थे और अब आरोप लगाने का कोई मतलब नहीं है□

मुख्यमंत्री प्रकाश सहि बादल ने फरीोजपुर में कहा, ‘‘शशकिांत ने तब कार्रवाई क्यों नहीं की जब वह पंजाब केजेल डीजीपी थे□’’

शशकिांत ने राज्य में मादकपदार्थ की बुराई केबारे में अदालत को लखिा था□ उनकेपत्र को □ कजनहति याचकि माना गया था और उन्हें 13 अगस्त को अदालत में पेश होने केलि□ कहा गया□ उन्होंने सोमवार को इस बुराई पर □ कवसि्तृत रपिोर्ट पेश की□ मुख्य न्यायाधीश संजय कशिन कौल केनेतृत्व वाली □ कखंडपीठ ने उनकेद्वारा कही गई बातों पर संज्ञान लेते हु□ कल कहा कि अदालत याचकि पर गौर करके□ कनर्णिय करेगी□

शशकिांत ने पत्र में कहा है कि उन्होंने करीब छह वर्ष पहले तत्कालीन राज्य सरकार को उन राजनेताओं की □ कसूची दी थी जो मादकपदार्थ की तस्करी में शामलि है□

उन्होंने कहा, ‘‘उस समय करीब 10 से अधकि राजनीतजि्ञ प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मादकपदार्थ की तस्करी में लप्ति थे□ मैंने तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रकाश सहि बादल से भी मुलाकात की और मुद्दे पर चर्चा की□ उन्होंने मुझसे वादा कयिा था कि वह इन राजनेताओं में से कुछ से बात करेंगे लेकनि अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है□’

उन्होंने यह कहते हु□ नामों का खुलासा करने से इनकार कर दयिा कि वह जरूरत प□ने पर उनकेनाम अदालत को देंगे□

उन्होंने कहा, ‘‘इस सूची में शरिोमणि अकाली दल, भाजपा और कांग्रेसी नेताओं केनाम है□ जांच केरकिार्ड पुलसि वभिाग केपास है□’’

शशकिांत केबयान पर पंजाब केउप मुख्यमंत्री □ वं राज्य केगृह मंत्रालय का प्रभार संभालने वाले सुखबीर सहि बादल ने खदूर साहबि में कहा, ‘‘ऐसा लगता है कि शशकिांत चुनाव ल□ने दशिा में ब□ रहे है□’’

बादल ने कहा कि जब शशकिांत डीजीपी कारागार थे उन्होंने कभी भी राज्य में ऐसे माफिया केबारे में सूचना नहीं दीं□

उन्होंने कहा, ‘‘अभी तक कसिी भी राजनेता का नाम सामने नहीं आया है□ उन्होंने कहा, ‘‘हमने दो या तीन दनि पहले तीन □□ सआई को बर्खास्त कयिा क्योंकि यह बात सामने आयी कि वे मादकपदार्थ तस्करों की मदद कर रहे थे□’’

(भाषा)